

24-06-25

वकील प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने पर
पत्रावली पेशी में ली गई। वकील प्रार्थी द्वारा अपना
प्रां. नोट पेश किया गया। अतः नोट पेश के आधार पर
प्रार्थी का प्रां. पत्र इसी स्तर पर स्वायत्त किया जाता है।
पत्रावली बाद तर्तीब तकमील होकर दायरेल दफ्तर हो
निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

Dr.
(दिव्या सोनी)
RAS

Not over
Res